14 वसंत (हिन्दी) लोकगीत

Grade - 6

Classnotes

प्रश्नों को पढ़कर दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए |

1. **चंदेल राजाओं के राजकवि कौन थे ?**

   a. आल्हा
   b. उदल
   ***c.* जगनिक**
   d. बिहारी

2. **औरांव तथा मुंडा कहाँ की जनजातियाँ हैं ?**

   ***a.* मध्यप्रदेश**
   b. राजस्थान
   c. गुजरात
   d. महराष्ट्र

3. **सोहर, बानी, सेहरा आदि का किसने अपने गीतो का हवाला दिया है ?**

   ***a.* कालीदास**
   b. रसखान
   c. जगनिक
   d. कबीर

4. **अध्याय के अनुसार लोकगीत को किससे हेय समझा जाता था ?**

   a. फिल्मी संगीत
   b. पश्चिमी संगीत
   ***c.* शास्त्रीय संगीत**
   d. कर्नाटक संगीत

उपयुक्त शब्द का प्रयोग कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए |

1. **लोकगीत __सीधे जनता__ के संगीत हैं।**
2. **कहरवा, बिरहा, धोबिया आदि __देहात__ में बहुत गाए जाते हैं।**
3. **होली के अवसर पर ब्रज में __रसिया__ चलता है।**
4. **पूरब की बोलियों में अधिकतर __मैथिल-कोकिल__ विद्यापति के गीत गाए जाते हैं।**

सही वाक्य के आगे सही (✓) और गलत वाक्य के आगे गलत (✖) का चिह्न लगाइए |

1. **लोकगीत सीधे राजाओं का संगीत है।** ✖
2. **जंगल की जतियों के गीत बिरहा में गाये जाते हैं।** ✓
3. **लोकगीत का संबंध देहात की जनता से है।** ✓
4. **गढ़वाल, किन्नौर, काँगड़ा आदि पंजाबियों के गीत हैं।** ✖

निम्नलिखित पंक्तियों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

1. **वास्तविक लोकगीत देश के गाँवों और देहातों में है। इनका संबंध देहात की जनता से है। बड़ी जान होती है इनमें। चैता, कजरी, बारहमासा, सावन आदि मिर्जापुर, बनारस और उत्तर प्रदेश के पूरबी और बिहार के पश्चिमी जिलों में गाए जाते हैं। बाउल और भतियाली बंगाल के लोकगीत हैं। पंजाब में माहिया आदि इसी प्रकार के हैं। हीर-राँझा, सोहनी-महीवाल संबंधी गीत पंजाबी में और**

14 - लोकगीत

ढोला-मारू आदि के गीत राजस्थानी में बड़े चाव से गाए जाते हैं । इन देहाती गीतों के रचयिता कोरी कल्पना को इतना मान न देकर अपने गीतों के विषय रोजमर्रा के बहते जीवन से लेते हैं, जिससे वे सीधे मर्म को छू लेते हैं। उनके राग भी साधारणतः पीलू, सारंग, दुर्गा, सावन, सोरठ आदि हैं। कहरवा, बिरहा, धोबिया आदि देहात में बहुत गाए जाते हैं और बड़ी भीड़ आकर्षित करते हैं।

1. वास्तविक लोकगीत कहाँ होते हैं ?
2. बाउल और भतियाली कहाँ के लोकगीत हैं ?
3. हीर-राँझा, सोहनी-महीवालसंबंधी गीत किस भाषा में गाया जाता है ?
4. कहरवा, बिरहा, धोबिया आदि कहाँ पर गाए जाते हैं ?

1. वास्तविक लोकगीत देश के गाँवों और देहातों में हैं।
2. बाउल और भतियाली बंगाल के लोकगीत हैं।
3. हीर-राँझा, सोहनी-महीवालसंबंधी गीत पंजाबी में गाए जाते हैं।
4. कहरवा, बिरहा, धोबिया आदि देहात में बहुत गाए जाते हैं।

2. **स्त्रियाँ ढोलक की मदद से गाती हैं। अधिकतर उनके गाने के साथ नाच का भी पुट होता है। गुजरात का एक प्रकार का दलीय गायन 'गरबा' है जिसे विशेष विधि से घेरे में घूम-घूमकर औरतें गाती हैं। साथ ही लकड़ियाँ भी बजाती जाती हैं जो बाजे का काम करती हैं। इसमें नाच-गान साथ चलते हैं। वस्तुतः यह नाच ही है। सभी प्रांतों में यह लोकप्रिय हो चला है। इसी प्रकार होली के अवसर पर ब्रज में रसिया चलता है जिसे दल के दल लोग गाते हैं, स्त्रियाँ विशेष तौर पर।गाँव के गीतों के वास्तव में अनंत प्रकार हैं। जीवन जहाँ इठला-इठलाकर लहराता है,वहाँ भला आनंद के स्रोतों की कमी हो सकती है? उद्दाम जीवन के ही वहाँ के अनंत संख्यक गाने प्रतीक हैं।**

1. स्त्रियाँ किसकी मदद से गाती हैं ?
2. गुजरात का एक प्रकार का दलीय गायन कौन सा है ?
3. होली के अवसर पर ब्रज में क्या चलता है ?
4. गरबा औरतें किस प्रकार गाती हैं ?

1. स्त्रियाँ ढोलक की मदद से गाती हैं।
2. गुजरात का एक प्रकार का दलीय गायन 'गरबा' है।
3. होली के अवसर पर ब्रज में रसिया चलता है।
4. 'गरबा' विशेष विधि से घेरे में घूम-घूमकर औरतें गाती हैं।

वाक्य को पढ़कर एक शब्द में उत्तर लिखिए |

1. **होली के अवसर पर ब्रज में क्या चलता है ?** — रसिया
2. **बाउल और भतियाली कहाँ के लोकगीत हैं ?** — बंगाल
3. **सोहर, बानी, सेहरा आदि किसके गानों में से हैं ?** — कालीदास के
4. **लोकगीत अपनी लोच, ताज़गी और लोकप्रियता में किससे भिन्न हैं ?** — शास्त्रीय संगीत

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर कम से कम शब्दों में लिखिए |

1. **नट रस्सियों पर खेल करते हुए क्या गाते हैं ?**

   नट रस्सियों पर खेल करते हुए आल्हा गाते हैं।

2. **मध्य प्रदेश, दकन, छोटा नागपुर में कौन से आदिवासी फैले हुए हैं ?**

14 - लोकगीत

मध्य प्रदेश, दकन, छोटा नागपुर में गोंड-खांड, ओराँव-मुंडा, भील-संथाल आदि फैले हुए हैं।

3. लोकगीत किस अर्थ में शास्त्रीय संगीत से भिन्न हैं ?

लोकगीत अपनी लोच, ताज़गी और लोकप्रियता में शास्त्रीय संगीत से भिन्न हैं।

4. लोकगीत कब गाये जाते हैं ?

लोकगीत, त्योहारों तथा विशेष अवसरों पर गाये जाते हैं।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक से दो वाक्यों में लिखिए |

1. वर्तमान में लोकगीतों की स्थिति में क्या बदलाव आया है ?

एक समय था जब शास्त्रीय संगीत के सामने लोकगीत को हेय समझा जाता था। पर कुछ समय से लोगों का नज़रिया लोकगीतों के प्रति बदला है ।अनेक लोगों ने विविध बोलियों के लोक-साहित्य और लोकगीतों के संग्रह पर कमर बाँधी है और इस प्रकार के अनेक संग्रह अब तक प्रकाशित भी हो गए हैं।

2. देहाती गीतों के विभिन्न रागों के नाम लिखकर बताइये कि वे मन को क्यों छू लेते हैं ?

देहाती गीतों के राग भी साधारणतः पीलू, सारंग, दुर्गा, सावन, सोरठ आदि हैं। कहरवा, बिरहा, धोबिया आदि देहात में बहुत गाए जाते हैं और बड़ी भीड़ आकर्षित करते हैं। वे अपने गीतों के विषय रोजमर्रा के बहते जीवन से लेते हैं, जिससे वे सीधे मर्म को छू लेते हैं।

3. लोकगीत गायन में किन वाद्ययंत्रों की प्रमुख भूमिका है ?

लोकगीत में आमतौर पर विशेष बाजों का प्रयोग नहीं किया जाता ।ये गीत बाजों की मदद के बिना ही या साधारण ढोलक,झाँझ, करताल, बाँसुरी आदि की मदद से गाए जाते हैं। आल्हा को नट रस्सियों पर खेल करके गाते हैं। गरबा में स्त्रियाँ लकड़ियाँ बजाते हुए गाती हैं।

4. पहाड़ी गीतों की क्या विशेषता है तथा वे किन क्षेत्रों मे गाये जाते हैं ?

पहाड़ियों के अपने-अपने गीत हैं। उनके अपने-अपने भिन्न रूप होते हुए भी अशास्त्रीय होने के कारण उनमें अपनी एक समान भूमि है। गढ़वाल, किन्नौर , काँगड़ा आदि के अपने-अपने गीत और उन्हें गाने की अपनी-अपनी विधियाँ हैं।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए |

1. स्त्रियों द्वारा गाये जाने वाले गीतों की क्या विशेषता है ?

स्त्रियों द्वारा गाये जाने वाले गीतों की विशेष बात यह है कि नारियों के गाने साधारणतः अकेले नहीं गाए जाते, दल बाँधकर गाए जाते हैं। अनेक कंठ एक साथ फूटते हैं यद्यपि अधिकतर उनमें मेल नहींहोता, फिर भी त्योहारों और शुभ अवसरों पर वे बहुत ही भले लगते हैं। गाँवों और नगरों में गायिकाएँ भी होती हैं जो विवाह, जन्म आदि के अवसरों पर गाने के लिए बुला ली जाती हैं। सभी ऋतुओं में स्त्रियाँ उल्लासित होकर दल बाँधकर गाती हैं। स्त्रियाँ ढोलक की मदद से गाती हैं। अधिकतर उनके गाने के साथ नाच का भी पुट होता है।

2. निबंध में लोकगीतों के किन पक्षों की चर्चा की गई है ? बिंदुओं के रूप में उन्हें लिखिए।

(1) लोकगीतों का हमारे देश में महत्व

(2) लोकगीतों में स्त्रियों का योगदान

(3) लोकगीतों में विभिन्नता (प्रकार)

(4) लोकगीत और शास्त्रीय संगीत

(5) लोकगीतों का विभिन्न अवसरों में प्रयोग

(6) लोकगीतों का इतिहास

14 - लोकगीत

(7) लोकगीत और संगीत यंत्र

(8) लोकगीत और उनकी भाषा

(9) नृत्य और लोकगीत

3. निबंध के आधार पर और अपने अनुभव के आधार पर (यदि आपको लोकगीत सुनने के मौके मिले हैं तो) आप लोकगीतों की कौन-सी विशेषताएँ बता सकते हैं ?

लोकगीतों की निम्नलिखित विशेषताएँ इस प्रकार हैं:-

(i) इनको गाते वक्त् एक उत्साह उत्पन्न होता है।

(ii) लोकगीतों में गाँवों के जन-जीवन की झलक प्राप्त होती है।

(iii) लोकगीतों को समूह में मिलकर गाया जाता है।

(iv) लोकगीतों को साधारण ढोलक, मंजीरा, मुरली, झाँझ, करतल के साथ गाया जा सकता है।

(v) इनको गाने के लिए संगीत के ज्ञान की आवश्यकता नहीं होती।

(vi) लोकगीतों से विशेष आनन्द प्राप्त होता है।

(vii) लोकगीत ऊँची आवाज़ में और मस्त होकर गाए जाते हैं।

4. 'पर सारे देश के......अपने-अपने विद्यापति हैं' इस वाक्य का क्या अर्थ है ? पाठ पढ़कर मालूम कीजिए और लिखिए।

इस वाक्य का अर्थ कुछ इस प्रकार है कि पूरब की बोलियों में हमेशा मैथिल-कोकिल विद्यापति के गीत गाए जाते हैं। जिन्होनें इन गीतों की रचना की थी और वो अपने गीतों के कारण पूरब में खासे जाने गए हैं। परन्तु इसके विपरीत सारे देश के अलग-अलग राज्यों में व उनके गाँवों में वहाँ के लोग समय को व अवसर को देखकर स्वयं ही गीतों की रचना करने वाले रचनाकार (विद्यापति) आज भी मौजूद हैं।

5. 'लोक' शब्द में कुछ जोड़कर जितने शब्द आपको सूझें, उनकी सूची बनाइए। इन शब्दों को ध्यान से देखिए और समझिए कि उनमें अर्थ की दृष्टि से क्या समानता है। इन शब्दों से वाक्य भी बनाइए। जैसे-लोककला।

लोकतंत्र :- भारत; विश्व में लोकतंत्र का सबसे बड़ा उदाहरण है।

लोकमंच :- लोकमंच में जनता की परेशानियों को उठाया जाता है।

लोकमत :- सरकार को चाहिए कि लोकमत के अनुसार कार्य करें।

लोकवाद्य :- लोगों द्वारा बजाने वाला यंत्र।

6. 'बारहमासा' गीत में साल के बारह महीनों का वर्णन होता है। नीचे विभिन्न अंकों से जुड़े कुछ शब्द दिए गए हैं। इन्हें पढ़िए और अनुमान लगाइए कि इनका क्या अर्थ है और वह अर्थ क्यों है। इस सूची में आप अपने मन से सोचकर भी कुछ शब्द जोड़ सकते हैं –

इकतारा सरपंच चारपाई सप्तर्षि अठन्नी

तिराहा दोपहर छमाही नवरात्र

इकतारा – एक तार से बजने वाला यंत्र

सरपंच – पाँचों पंचो में प्रमुख

चारपाई – चार पैरों वाली

सप्तर्षि – सात ऋषियों का समूह

अठन्नी – पचास पैसे का सिक्का

तिराहा – जहाँ तीन रास्ते आपस में मिलते हैं

दोपहर – जब दिन के दो पहर मिलते हो

छमाही – छह महीने में होने वाला

14 - लोकगीत

नवरात्र – नौ रातों का समूह

7. को, में, से आदि वाक्य में संज्ञा का दूसरे शब्दों के साथ संबंध दर्शाते हैं। पिछले पाठ (झाँसी की रानी) में आपने का के बारे में जाना। नीचे 'मंजरी जोशी' की पुस्तक 'भारतीय संगीत की परंपरा' से भारत के एक लोकवाद्य का वर्णन दिया गया है। इसे पढ़िए और रिक्त स्थानों में उचित शब्द लिखिए-

तुरही भारत के कई प्रांतों में प्रचलित है। यह दिखने .... .अंग्रेजी के एस या सी अक्षर .... तरह होती है। भारत .... विभिन्न प्रांतों में पीतल या काँसे. .... बना यह वाद्य अलग-अलग नामों .... जाना जाता है। धातु की नली .... घुमाकर एस .... आकार इस तरह दिया जाता है कि उसका एक सिरा संकरा रहे और दूसरा सिरा घंटीनुमा चौड़ा रहे। फूँक मारने .... एक छोटी नली अलग .... जोड़ी जाती है। राजस्थान .... इसे बर्गू कहते हैं। उत्तर प्रदेश .... यह तूरी मध्य प्रदेश और गुजरात .... रणसिंघा और हिमाचल प्रदेश .... नरसिंघा .... नाम से जानी जाती है। राजस्थान और गुजरात में इसे काकड़सिंघी भी कहते हैं।

तुरही भारत के कई प्रांतों में प्रचलित है। यह दिखने में अंग्रेजी के एस या सी अक्षर की तरह होती है। भारत के विभिन्न प्रांतों में पीतल या काँसे से बना यह वाद्य अलग-अलग नामों से जाना जाता है। धातु की नली को घुमाकर एस का आकार इस तरह दिया जाता है कि उसका एक सिरा संकरा रहे और दूसरा सिरा घंटीनुमा चौड़ा रहे। फूँक मारने पर एक छोटी नली अलग से जोड़ी जाती है। राजस्थान में इसे बर्गू कहते हैं। उत्तर प्रदेश में यह तूरी मध्य प्रदेश और गुजरात में रणसिंघा और हिमाचल प्रदेश में नरसिंघा के नाम से जानी जाती है। राजस्थान और गुजरात में इसे काकड़सिंघी भी कहते हैं।

8. हमारे यहाँ स्त्रियों के खास गीत कौन-कौन से हैं ?

हमारे यहाँ स्त्रियों के निम्नलिखित खास गीत इस प्रकार हैं-

(1) विवाह के अवसरों पर गाए जाने वाले गीत

(2) जन्म पर गाए जाने वाले गीत

(3) समूहों में रसिक प्रियों और प्रियाओं को छेड़ने वाले गीत

(4) सावन पर गाए जाने वाले गीत

(5) नदियों पर, खेतों पर गाए जाने वाले गीत

(6) संबधियों से प्रेम युक्त छेड़-छाड़ वाले गीत

(7) त्योहारों पर गाए जाने वाले गीत